हिन्दी Hindi Class 12 Important Question Chapter 5 वसंत आया/तोड़ो

1. कवि इस कविता के माध्य्म से क्या संदेश देना चाहते है?

उत्तर: इस कविता के माध्य्म से कवि प्रकर्ति और मनुष्य के टूटते हुए रिश्ते को दर्शाना चाहते है।

2. यही नही जाना था कि आज के नगण्य दिन जनूगा जैसे मैंने जाना, की वसंत आया है।

उत्तर: कवि कहता है कि कभी नही सोचा था कि कैलेंडर देख दफ्तर की छुटी से पता चलेगा कि वसंत आया है।

3. ’वसंत आया’ कविता में क्या विशेष है?

उत्तर: ’वसंत आया’ कविता में वसंत का सजीव चित्रण विशेष है। इस कविता में अलंकारो का सुंदर प्रयोग किया गया है तथा यह एक छंदमुक्त कविता है।

4. कविता ‘तोड़ो’ से कवि हमे क्या संदेश देते हैं?

उत्तर: ’तोड़ो’ कविता के माध्य्म से कवि कहना चाहते हैं कि हमें अपनी विघ्न, बाधाएँ,इत्यादि को चकनाचूर करने के लिए प्रेरित करते हैं। ताकि मनुष्य अपनी सोचने समझने की शक्ति का विकास कर सके।

5.तोड़ो कविता में कवि मनुष्य से क्या कहता है?

उत्तर: तोड़ो कविता में कवि मनुष्य से कहते हैं कि ‘पत्थर’ और ‘चट्टान’ बंधन तथा बाधाओं के प्रतीक हैं। अगर इन्हें पार करना है तो इन्हें तोड़ना ही पड़ेगा ताकि तुम रास्ता बना सको।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक)

1. ”चलती सड़क के किनारे लाल बजरी पर चुरमुराय पाँव तले उचे तरुवर से गिरे बड़े-बड़े पिराये पत्ते”। इन पंक्तियों के आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: कवि इन पंक्तियों के माध्य्म से अपने बचपन के वसंत के दिनों को याद करते हुए कहते हैं कि एक दिन सुबह-सुबह बाहर घूमते वक्त उनके पैरो के नीचे बड़े-बड़े लाल पत्ते आ जाते है जिनसे चुरमुरने की आवाज आती थी।

2. ’आधे-आधे गाने’ से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: ’आधे-आधे गाने’ से कवि का अभिप्राय है कि उन्होंने जो गीत लिखा है वो अभी अधूरा है और पूरा तभी होगा जब कोई सच्चे दिल से उसे अपने दिल में भरेगा और अपने भीतर के क्रोध को बाहर निकालेगा।

3. और यह कैलेंडर से मालूम था

अमुक दिन अमुक बार मदनमहिने की होवेगी पंचमी दफ्तर में छुट्टी थी,यह था प्रमाण।

https://www.evidyarthi.in/

इन पंक्तियों का भावार्थ लिखो।

उत्तर: इन पंक्तियों के माध्यम से कवि कहते हैं कि वसंत के आगमन की सूचना उन्हें कैलेंडर से मिल गयी थी और उस दिन दफ्तर की छुट्टी ने यह प्रमाणित कर दिया कि वसंत का आगमन हो चुका है।

4. रंग-रस-गंध से लदे-फदे दूर के विदेश के वे नंदन-वंदन होवेंगे यशस्वी

मधुमस्त पिक भौर अपना-अपना कृतित्त्व अभ्यास करवेफ दिखावेंगे। इन पंक्तियों का आशय स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: उपरोक्त पंक्ति के माध्म्म से कवि कहते हैं कि वसंत के आने से न केवल पृथ्वी के बाग-बगीचे खिल जाते है बल्कि इंद्र के नंदवंदन में भी सुंदर-सुंदर फूल खिल जाते है। वसंत में फलों का रस पीकर भवरे और कोयल अपना प्रदर्शन ओर अच्छा करते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (5 अंक)

1. कवि को वसंत के आने की सूचना कैसे मिल जाती है?

उत्तर: कवि एक प्रकृति प्रेमी है, कवि को वसंत आने की सूचना प्रकृति के बदलाव से पता चलता है। और वसंत आने की पुष्टि कवि घर जाकर कैलेंडर से करता है। कवि को मौसम में आए परिवर्तन पेड़ों से गिरते पत्ते,गुनगुनी ताजी हवा और चिड़िया के चहचहाना से पता चलता है कि वसंत आ गया है।

2.'वसंत' आया कविता में कवि चिंतित क्यों है?

उत्तर: वसंत आया कविता में कवि की चिंता कारण है मनुष्य का प्रकृति के प्रति कोई प्रेम न रहना कवि कहते हैं कि आज वसंत आने की जानकारी कैलेंडर से पता चलती है परंतु मनुष्य को इससे कोई मतलब नही है। मानव को ऋतुओ की सुंदरता और बदलाव के बारे में नही पता जो कवि की चिंता का कारण है।

3.'पत्थर' और 'चट्टान' शब्द से कवि का क्या अभिप्राय है?

उत्तर: 'पत्थर' और 'चट्टानों' शब्द से कवि का अभिप्राय 'बंधन' और 'बाधाओ' से है। जैसे रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए हमे पत्थर और चट्टानों को तोड़ना पड़ता है, उसी तरह ज़िन्दगी में आगे बढ़ने के लिए हमे इन्हें तोड़ना होगा। अगर हम विकास करना चाहते हैं तो हमें इन सभी बाधाओं को तोड़ना होगा।

4.अलंकार बताइये:

(क) बड़े-बड़े पिराये पत्ते

(ख) कोई सुबह छह बजे नहाई हो

उत्तर:

(क) बड़े-बड़े पियराय पत्ते में 'ब' और 'प' वर्णन की आवर्ती अनुप्रास अलंकार है और 'बड़े' शब्द की उसी रूप में पुनः आवर्ती के कारण पुनरुक्ति प्रकाश अलंकार है।

(ख) इस पंक्ति के मानवीकरण अंलकार है।

https://www.evidyarthi.in/

5. और कविताएँ पढ़ते रहने से यह पता था कि दहर-दहर दहकेंगे कही ढाक के जंगल आम और आवेंगे। इन पंक्तियों के भावार्थ लिखो।

उत्तर: इन पंक्तियों के द्वारा कवि यह कहना चाहते हैं कि उन्होंने अपनी ज़िन्दगी में बहुत सारी कवितायें पढ़ी थी और इन कविताओं के द्वारा उन्होंने अध्ययन किया कि वसंत आगमन से प्रकृति में क्या -क्या बदलाव होता है। कवि जानते हैं कि पलाश के पेड़ पर वसंत के मौसम में लाल – लाल फूल आएंगे और आम की बौर लगेंगी।

https://www.evidyarthi.in/